हिन्दी दिवस २०१४

हिन्दी दिवस वह विशिष्ट दिन है जिस दिन हिन्दी को राजभाषा घोषित किया गया। यह गौरवशाली घोषणा १४ सितंबर सन १९४९ को की गयी।

'हिन्दी देश का मान है, सम्मान है' इस अनुपम भावना से भरे धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल के बच्चे इस दिन को पूरी लगन से मनाने की तैयारियों में जुट गये। १२ सितम्बर को ही विद्यालय के प्राथमिक वर्ग की नन्हीं कलम से लिखे गये विचारों से स्कूल सज उठा। एक-एक पंक्ति में हिन्दी के प्रति बच्चों का प्यार परिलक्षित हो रहा था।

१६ सितम्बर को विद्यालय के प्रेक्षागृह में विद्यार्थियों ने हिन्दी भाषा के माध्यम से प्रकृति से परिवार जैसे जुड़ाव को कविताओं, गीतों, नृत्य तथा संवादों के द्वारा प्रदर्शित किया। बालपन की लोरी में चाँद को मामा और सूरज को दादा पुकारने वाला बालक कैसे शैशव में बंदर मामा, बिल्ली मौसी की चालाकी और उल्लू दादा की समझदारी को भाँप जाता है से आरंभ कर, जहाँ प्राथमिक कक्षाओं के बच्चों ने सबका मन मोह लिया, वहीं माध्यमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों ने संगीत के सात स्वरों का पशु-पक्षियों की बोली से संबंध दिखाकर सबका ज्ञानवर्धन किया। उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों ने हिन्दी भाषा की व्यापकता तथा सौहार्दता के विषय में बताकर उपस्थित श्रोतागणों को गर्व से भर दिया।

पी. पी. टी. पर प्रदर्शित विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत कविताओं से संबंधित चित्रों ने कार्यक्रम की रोचकता को बढ़ाया तथा हिन्दी भाषा के तथ्यों से भी विद्यार्थियों को अवगत कराया। सभा के समापन में पुनः नन्हे मुन्नों ने 'हिन्दी है भाषा रसभरी' गीत गाकर सबका दिल मोह लिया।

इस पूरे सप्ताह में हिन्दी वाद-विवाद तथा कहानी लेखन प्रतियोगिताओं का भी आयोजन विद्यालय के चारों सदनों के बीच किया गया।

यह पूरा सप्ताह धीरूभाई अंबानी स्कूल की विलक्षणता का भी द्योतक है कि किस प्रकार सभी भाषाओं का समान रूप से सम्मान करते हुए भी इस विद्यालय के बच्चे अपनी जड़ों को नहीं भूले हैं। वे संसार में भारत तथा भारतीय संस्कृति के सच्चे संदेश वाहक हैं।